शिवरात्रि पर्व की बहुत-बहुत बधाई हो!

इस वर्ष परमात्मा शिव की स्नेह भरी सावधानी

प्रिय आत्माओ,

आप देख रहे हैं कि दुनियाँ की हालत बहुत तेज़ी से बिगड़ रही है। कलियुगी नर्क अपनी चरम सीमा पर पहुँच गया है। समय बहुत नाजुक चल रहा है। अचानक कुछ भी हो सकता है। ऐसी भीषण परिस्थिति में परमात्म शक्ति ही काम आयेगी। इसके लिए सर्वशक्तिवान परमात्मा शिव से सहज राजयोग द्वारा आत्मबल संग्रहित करने का अभी से अभ्यास चाहिए वरना अचानक समय आने पर कुछ नहीं कर सकेंगे।

विश्व कल्याणकारी परमात्मा शिव से आत्मबल और निर्भयता का वरदान लेने के लिए, आने वाले सतयुगी स्वर्ग का ईश्वरीय जन्मसिद्ध अधिकार प्राप्त करने के लिए तथा महाशिवरात्रि पर्व मनाने के लिए आपको सस्नेह निमंत्रण है।

आपके शुभचिन्तक,

ब्रह्माकुमारियाँ एवं ब्रह्माकुमार

विशेष कार्यक्रम

क्या आप जानते हैं?

- परमात्मा शिव से आपका क्या संबंध है?
- शिव का रात्रि से क्या संबंध है?
- शिव को त्रिमूर्ति, त्रिनेत्री, त्रिकालदर्शी तथा त्रिलोकीनाथ क्यों कहते हैं?
- ब्रह्मा, विष्णु, शंकर कौन हैं?
- शिवरात्रि को 'शंकर रात्रि' क्यों नहीं कहते?
- सच्चा शिवालय कहाँ हैं?
- पतित पावन परमात्मा शिव और उनसे निकली हुई चैतन्य ज्ञान-गंगायें हैं या पानी की नदियाँ?

- शिव ने ‘तीसरी आँख’ किसकी खोली?
- निराकार शिव इस साकार सृष्टि पर कैसे अवतरित होते हैं और कब?

शिवरात्रि का सर्व कल्याणकारी वृत्तांत वर्तमान समय पुनरावृत्त हो रहा है।
उपरोक्त अति गुह्य आध्यात्मिक रहस्यों को जानकर शिवरात्रि के पर्व को सार्थक रूप से मनाने के लिए आपको इस विशेष कार्यक्रम में पधारने का हार्दिक निमंत्रण है।
सेवाकेन्द्र:

सबसे बड़ी खुशखबरी यह है कि वर्तमान समय वरदाता भोलानाथ शिव परमात्मा नवविश्व की पुनर्स्थापना करने हेतु पुनः अवतरित हो चुके हैं और अपने सर्वप्रथम और सर्वोत्तम वरदान के रूप में स्वयं अपना सत्य परिचय दे रहे हैं ताकि हम उनके साथ योगयुक्त होकर, दिव्य वरदानों से अपनी झोली भरकर गति-सद्गति के अपने ईश्वरीय जन्मसिद्ध उत्तराधिकार को प्राप्त करके सच्ची शिवरात्रि मनायें।